अध्याय - 11

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान, रांची की स्थापना 1992 में बिहार, सिक्किम और पश्चिम बंगाल राज्यों तथा भारत के तीन पूर्वोत्तर राज्यों की वानिकी अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई थी।

संस्थान मुख्यत: लाख की खेती के लिए कार्यक्रम पैकेजों के विस्तार और विकास, लाख खेती पर सांख्यिकीय आंकड़ों के संग्रहण एवं संकलन उत्पादन कीमतों एवं पूर्वानुमान एवं देश में लाख उत्पादन के मूल्यांकन में जुटा है। संस्थान रोपण स्टॉक सुधार; जैवविधिता संरक्षण एवं विकास; खान ढेरों एवं अधिभारों का उपचार करके कोयला पट्टियों में प्रमुख प्रदूषण की रोकथाम; घास भूमि एवं बांस विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति; और विस्तार कार्यो की प्रमुख परियोजनाओं में भी शामिल है।

1998-99 के दौरान पूरी की गई परियोजनाएं :

परियोजना 1 :

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् को सशक्त और विकसित करने के लिए यू०एन०डी०पी० परियोजना।

उद्देश्य :

चयनित गांवों में ग्रामीणों की गरीबी कम करना तथा सामाजिक-आर्थिक उत्थान करना।

उपलब्धियां :

चयनित दस गांवों यथा बिहार और पश्चिम बंगाल से पांच-पांच गांव, में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण किया गया। रोपणों के लिए प्रजातियों की आवश्यकता साथ ही साथ पसन्द और समस्याओं पर आधारित एक व्यपाक पैकेज विकसित किया गया। परियोजना अवधि के पांच साल के दौरान बिहार और पश्चिम बंगाल में बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों के कुल 702999 पौधों का रोपण किया गया। इस परियोजना से 2715 ग्रामीणों को लाभ पहुंचा।

1998-99 के दौरान जारी पुरानी परियोजनाएं :

परियोजना 2 :

रोपण स्टॉक सुधार कार्यक्रम (पी. एस. आई. पी.)।

उद्देश्य :

(क) रोपण पदार्थ की गुणवत्ता में सुधार करना।

(ख) निजी और सामुदायिक दोनों भूमियों में वन रोपण की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि करना।

उपलब्धियां :

बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों के 100 हैक्टेयर बीज स्टैण्डों की पहचान की गई और राज्य वन विभागों के सहयोग से बिहार और पश्चिम बंगाल में इनका रखरखाव किया जा रहा है। एम. चम्पका, डैल्बिर्जिया सिस्सू, डुआबंगा सोनीरीटिओडस, पाइनस पेटूला, एलनस नीपेलेन्सिस, बीटूला एलनॉयड्स, जी. आर्बोरीया, ए. कदम्बा पश्चिम बंगाल में चयनित प्रजातियां है और बिहार में ऐकेशिया कैटेचू, केसिया सियामीया, टेक्टोना ग्रैन्डिस, मेलाइना आर्बोरीया, डैल्बर्जिया सिस्सू हैं। वर्ष के दौरान बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों (यूकेलिप्टस मेलाइना आर्बोरीया और डैल्बर्जिया सिस्सू) के दो हैक्टेयर क्लोनीय बीजोद्यान लगाए गए। ऐकेशिया, यूकेलिप्टस, गमहार, सिस्सू और पॉपलर जैसे बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों के उद्गमस्थल परीक्षण प्रगति पर हैं। इस साल ऐकेशिया, यूकेलिप्टस, डैल्बर्जिया सिस्सू और मेलाइना आर्बोरीया के 8 हैक्टेयर पौध बीजोद्यान स्थापित किए गए। इस वर्ष बांस (2 हैक्टेयर) और पावलोनिया (0.75 हैक्टेयर) के कायिक प्रवर्धन के लिए गुणन उद्यान स्थापित किए गए। पावलोनिया फार्टूनी के प्रवर्धन के लिए पौधशाला तकनीकों का मानकीकरण किया गया।

परियोजना 3 :

लाख विकास।

उद्देश्य :

(क) लाख उत्पादन पर आंकड़ों का संग्रहण करना।

(ख) लाख खेती की विधियों को सुधारने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करना।

उपलब्धियां :

उपज आंकड़े बाजार कीमत और फैक्ट्री उत्पादन के संग्रह के लिए बाजार सर्वेक्षण किया गया। लाख के हाटों, आढतियों प्रेषण केन्द्रों निर्यातकों तथा अन्य संगठनों से आवर्ती आंकड़े भी एकत्र किए गए। विश्लेषित आंकड़ों को मासिक लाख न्यूज लेटर और सालाना लाख बुलेटिन में प्रकाशित किया जा रहा है।

परियोजना 4 :

पारि-पुनरूद्धार।

उद्देश्य :

निम्नीकृत स्थलों का पारि-पुनरूद्धार।

उपलब्धियां :

लेटीराइटी मृदा में रोपण और प्राकृतिक पारितंत्रों के अन्तर्गत वनस्पति, जैव उर्वरक, जल विज्ञानीय अध्ययनों और दाब स्थलों के तहत पोषक चक्रण पर अनुसंधान प्रगति पर हैं।

परियोजना 5 :

सामाजिक-आर्थिक पहलू तथा अन्य कार्यकलाप यू०एन०डी०पी०।

उद्देश्य :

रोपणों की अर्थव्यवस्था, बाजार अध्ययन और रोपण तकनीकें।

उपलब्धियां :

रोपणों के आर्थिक पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए यू०एन०डी०पी० के तहत बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों एवं प्रदर्शन रोपणों के वृद्धि पैरामीटरों पर समय-समय पर प्रेक्षण लिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल में बाजार अध्ययन ओर प्रकाष्ठ, बांस एवं अकाष्ठ वन उत्पादों पर सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रहण किया गया।

वन मृदा एवं वनस्पति सर्वेक्षण, मिदनापुर में बम्बूसा वल्गेरिस, बम्बूसा बाल्कुआ, बम्बूसा ट्रूल्डा और बम्बूसा अरून्डिनेसीया की प्रवर्धन प्रौद्योगिकी विकसित की गई। छोटा नागपुर क्षेत्र के लिए पावलोनिया एवं पॉपलर हेतु पौधशाला तकनीकों का विकास किया गया।

1998-99 के दौरान शुरू की गई नयी परियोजनाएं :

कोई नहीं।

विस्तार :

परियोजना अवधि के दौरान (1993-98) बिहार और पश्चिम बंगाल में यू०एन०डी०पी० परियोजना के तहत उपलब्धियों पर वीडियों वृत चित्र तैयार किया गया। लाख की वैज्ञानिक खेती पर वीडियों फिल्म बनाने के लिए कार्यवाई की गई।

प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण :

1. लाख उत्पादकों और ग्रामीणों के लिए लाख फसल की मौसमीय सक्रियाओं यथा- काट छांट, फसल काटना, संरोपण और फुनकी हटाने पर एन. बी फार्म में अल्पावधि प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन का

आयोजन किया गया। रोपण और पौधशाला तकनीकों तथा जैव उर्वरकों के उपयोग पर किसानों, ग्रामीणों, गैर-सरकारी संगठनों, वानिकी विद्यार्थियों और राज्य वन विभाग के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।

2. बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के वानिकी संकाय के विद्यार्थियों को शिक्षण सहायता उपलब्ध कराई गई।

3. ग्रामीणों के समक्ष बांस के प्रवर्धन पर तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

4. यू०एन०डी०पी० परियोजना के अन्तर्गत बिहार और पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन रोपण लगाए गए।

अन्य संगठनों/संस्थान/राज्यों के साथ सहानुबंध

1. घनिष्ठ सहयोग, समन्वयन और सहभागिता में कार्य करने के लिए बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

2. पांच चयनित वन प्रजातियों के 50 हैक्टेयर बीज उत्पादन क्षेत्र के सृजन के लिए बिहार राज्य वन विभाग के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

3. आई०एल०आर०आई०, रांची, रांची विश्वविद्यालय, विद्यासागर विश्वविद्यालय मिदनापुर; कल्यानी विश्वविद्यालय, टी०आर०आई०एफ०ई०डी०, एस०ई०पी०सी० और ब्रिसकोलेम्फ के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए गए।

प्रकाशन और विस्तार साहित्य :

मासिक लाख न्यूज़ लेटर और वार्षिक लाख बुलेटिन नियमित रूप से प्रकाशित किए गए।

वित्तीय विवरण

I योजना			
क्र.सं.	उप-शीर्ष		व्यय (रू० लाख में)
1.	क	राजस्व व्यय	
		(i) अनुसंधान	22.16
		(ii) प्रशासनिक सहायता	-
		राजस्व व्यय 'क' का योग	22.16
	ख	ऋण और अग्रिम	
		(i) ऋण अग्रिम (वाहन)	0.84
		(ii) गृह निर्माण अग्रिम	2.00
		'ख' का योग	2.84
	ग	पूंजीगत व्यय	
		(i) भवन व सड़कें	7.50
		(ii) उपकरण, पुस्तकालय पुस्तकें	0.49
		(iii) वाहन	-
		'ग' का योग	7.99
		क+ख+ग (योजना) का कुल योग	32.99

II गैर- योजना			
क्र.सं.		उप-शीर्ष	व्यय (रू० लाख में)
1.	क	राजस्व व्यय	
		(i) अनुसंधान	68.02
		(ii) प्रशासनिक सहायता (वेतन)	
		गैर-योजना का कुल योग	68.02
		योजना+गैर-योजना का योग	101.01

III निर्धारित परियोजना			
क्र.सं.		उप-शीर्ष	व्यय (रू० लाख में)
1.	क.	विश्व बैंक परियोजना	66.93
	ख.	यू०एन०डी०पी० परियोजना	1.28
	ग.	नाबार्ड परियोजना	-
	घ.	एफ०ओ०आर०टी०आई०पी०	-
		(क+ख+ग+घ) निर्धारित परियोजना का कुल योग	68.21